RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
अक्टूबर
12 - 14
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

By Ankit Avasthi Sir

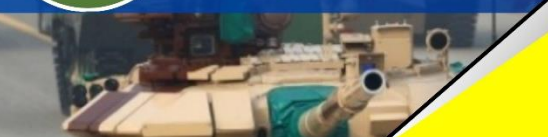

वैश्विक भूख सूचकांक (GHI), 2024 / Global Hunger Index (GHI), 2024

भारत 2024 के **वैश्विक भूख सूचकांक (GHI)** में **127 देशों** में से **105वें स्थान** पर है, जिसका स्कोर **27.3** है। यह स्कोर दर्शाता है कि **भारत** में भूख का **स्तर गंभीर** है।

2024 GHI में भारत की स्थिति:

- ✓ भारत का 2024 GHI स्कोर **27.3** है, जो **गंभीर** श्रेणी में आता है।
- ✓ **2016** के GHI स्कोर **29.3** से थोड़ा सुधार है, जबकि 2000 और 2008 के GHI स्कोर क्रमशः **38.4 और 35.2** की तुलना में यह काफी सुधार दर्शाता है।
- ✓ **कुपोषण: 13.7%** जनसंख्या का आधा हिस्सा कुपोषित है।
- ✓ **बाल बौनापन: 35.5%** पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में से 10 प्रतिशत बच्चे बौने हैं।
- ✓ **बाल दुर्बलता: 18.7%** पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में से 10 प्रतिशत बच्चे कुपोषित हैं।
- ✓ **बाल मृत्यु दर: 2.9%** बच्चे अपने पाँचवें जन्मदिन से पहले ही मर जाते हैं।
- ✓ **कुपोषण में सुधार:** भारत ने वर्ष 2000 के बाद से अपनी **बाल मृत्यु दर में सुधार** किया है, लेकिन **बाल दुर्बलता और बौनापन** की दर अभी भी **चिंताजनक** बनी हुई है। हाल के वर्षों में कुपोषण की व्यापकता में मामूली वृद्धि देखी गई है।
- ✓ **अन्य देशों की रैंकिंग:**
  - **नेपाल: 68**
  - **श्रीलंका: 56**
  - **बांग्लादेश: 84**
  - **पाकिस्तान: 109**

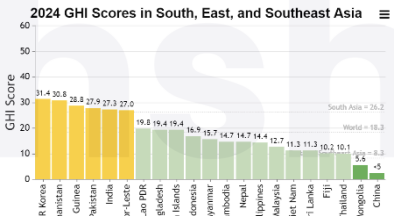

- ✓ **उच्चतम रैंकिंग: चीन, UAE, और कुवैत** सहित **22 देश** इस इंडेक्स में **पहले स्थान** पर हैं।

भुखमरी से निपटने के लिए भारत सरकार की पहलें: भारत सरकार ने भूखमरी की समस्या को हल करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें की हैं:

- ईट राइट इंडिया मूवमेंट
- पोषण अभियान (राष्ट्रीय पोषण मिशन)
- मध्याह्न भोजन (एमडीएम) योजना
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013
- मिशन इंद्रधनुष
- एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजना
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना

वैश्विक भूख सूचकांक क्या है?

- ✓ **ग्लोबल हंगर इंडेक्स (GHI)** एक सहकर्मी-समीक्षित रिपोर्ट है, जिसे **वेल्थुंगरहिल्फ़** और **कंसर्न वर्ल्डवाइड** द्वारा वार्षिक रूप से प्रकाशित किया जाता है।

GHI स्कोर की गणना कैसे की जाती है?

- ✓ GHI स्कोर **तीन आयामों** के **चार पैमानों** के आधार पर निकाला जाता है:
  1. **अल्पपोषण**
  2. **शिशु मृत्यु दर**
  3. **चाइल्ड अंडरन्यूट्रिशन**
     - **चाइल्ड वेस्टिंग**
     - **चाइल्ड स्टंटिंग**
- ✓ इन तीनों आयामों को **100 पॉइंट** के स्टैंडर्ड स्कोर दिया जाता है। इसमें:
  - **अल्पपोषण**
  - **शिशु मृत्यु दर**
  - **चाइल्ड अंडरन्यूट्रिशन का एक-एक तिहाई हिस्सा होता है।**
- ✓ GHI स्कोर पर **0 सबसे अच्छा** स्कोर होता है, जबकि **100 सबसे खराब।**

भूख सूचकांक की संरचना : GHI स्कोर चार घटक संकेतकों के मूल्यों पर आधारित है:

- ☑ **अल्पपोषण:** जनसंख्या का वह हिस्सा जो **पर्याप्त कैलोरी का सेवन नहीं करता।**
- ☑ **बाल बौनापन:** 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का वह अनुपात **जिनकी लम्बाई उनकी आयु के अनुपात में कम है।**
- ☑ **बाल दुर्बलता:** 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का वह हिस्सा जिनका **वजन उनकी लम्बाई के अनुपात में कम है।**
- ☑ **बाल मृत्यु दर: 5 वर्ष से पहले मरने वाले बच्चों का हिस्सा।**

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम / Ek Bharat Shreshtha Bharat Program

हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने **एक भारत श्रेष्ठ भारत (EBSB)** पहल के तहत **युवा संगम** के **पांचवें चरण** के लिए पंजीकरण पोर्टल लॉन्च किया है। यह कार्यक्रम युवाओं के बीच संपर्क और समझ को गहरा करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। युवा संगम मुख्य रूप से **18-30 वर्ष** के आयु वर्ग के छात्रों, **एनएसएस/एनवाईकेएस स्वयंसेवकों, कार्यरत और स्व-रोजगार** वाले व्यक्तियों के लिए है।

- ✓ इस पहल की शुरुआत **वर्ष 2023** में हुई थी, और यह **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020** के लक्ष्यों के साथ जुड़ी है, जिसमें **अनुभवात्मक शिक्षा और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता** को आत्मसात करने पर जोर दिया गया है।
- ✓ इस कार्यक्रम के अंतर्गत, प्रतिभागियों को विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवाओं के साथ संवाद करने, वहां की **संस्कृति, प्राकृतिक भू-आकृतियों, विकास स्थलों, और स्थानीय परंपराओं** को जानने का अवसर मिलेगा।

युवा संगम कार्यक्रम:

युवा संगम कार्यक्रम को **एक भारत श्रेष्ठ भारत** पहल के तहत **31 अक्टूबर 2016** को शुरू किया गया था, जो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा **31 अक्टूबर 2015** को प्रस्तुत विचार के अनुरूप है। इस पहल का उद्देश्य देश के युवाओं में एकता की भावना और विविधता में गर्व का संचार करना है। **पंच प्राण** के दो मुख्य तत्व - **एकता में शक्ति** और **विरासत में गौरव** इस पहल का मुख्य हिस्सा हैं।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ:

1. **लक्ष्य समूह:**
   - मुख्य रूप से **उच्च शिक्षण संस्थानों** में पढ़ने वाले छात्र।
   - देशभर के कुछ **ऑफ-कैंपस युवा** भी इस कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं।
2. **यात्राओं का आयोजन:**
   - विभिन्न राज्यों में युवाओं के लिए भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें वे अपने अनुभवों को साझा करेंगे और वहां की **संस्कृति, परंपराओं, विकास की उपलब्धियों और स्थानीय युवाओं** के साथ बातचीत करेंगे।
3. **मुख्य अनुभव क्षेत्रों:** युवाओं को इन पांच व्यापक क्षेत्रों में अनुभव प्राप्त होंगे:
   - **पर्यटन:** विभिन्न राज्यों की **खूबसूरती, सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटक स्थलों** का भ्रमण।
   - **परम्परा:** हर राज्य की अनूठी **परंपराओं, रीति-रिवाजों, और लोक कला** का अनुभव।
   - **प्रगति:** राज्यों की विकास यात्रा और हाल की उपलब्धियों को जानने का अवसर।
   - **परस्पर संपर्क:** स्थानीय युवाओं के साथ **संवाद और सांस्कृतिक साझेदारी** को बढ़ावा देना।
   - **प्रौद्योगिकी: आधुनिक तकनीकों और राज्यों** की तकनीकी प्रगति से जुड़ना।

उद्देश्य:

- ☑ विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच गहरे **संबंध और जुड़ाव** को बढ़ावा देना।
- ☑ उन्हें भारत की **समृद्ध विविधता** और **एकता** में **शक्ति का प्रत्यक्ष अनुभव** कराना।
- ☑ युवाओं को विकास की उपलब्धियों और हाल की प्रगति से रूबरू कराना, जिससे वे देश के विकास में अपने योगदान के प्रति प्रेरित हो सकें।

एक भारत श्रेष्ठ भारत के बारे में:

यह पहल **वर्ष 2015** में केंद्र सरकार द्वारा देश की **विविध संस्कृतियों और परंपराओं** के बीच आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लोगों के बीच **गहरे और संरचित जुड़ाव** को प्रोत्साहित करना है, जिससे राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूती मिले।

संबद्ध मंत्रालय: यह कार्यक्रम **शिक्षा मंत्रालय** के तहत संचालित होता है, जो इस योजना की गतिविधियों और उसके लक्ष्यों की दिशा में कार्य करता है।

योजना के तहत गतिविधियाँ: इस पहल के अंतर्गत प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेश को एक समयावधि के लिए दूसरे राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के साथ जोड़ा जाता है। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में आपसी विचारों और संस्कृतियों का आदान-प्रदान होता है, जैसे कि:

- **भाषा और साहित्य**
- **व्यंजन**
- **त्योहार और सांस्कृतिक कार्यक्रम**
- **पर्यटन और हस्तशिल्प**

उद्देश्य:

- ☑ देश में **विविधता में एकता** की भावना को और मजबूत करना।
- ☑ राष्ट्र के सभी हिस्सों के बीच **भावनात्मक बंधनों** को और अधिक गहरा करना।
- ☑ **राज्यों के बीच दीर्घकालिक जुड़ाव** स्थापित करना।
- ☑ विभिन्न राज्यों की समृद्ध **संस्कृति, परंपराओं, और रीति-रिवाजों** को समझने और सराहना करने का अवसर प्रदान करना।
- ☑ **सर्वोत्तम प्रथाओं** और **अनुभवों** को साझा करके राज्यों के बीच ज्ञान को बढ़ावा देना।

अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण 2021-22 / All India Rural Financial Inclusion Survey 2021-22

हाल ही में **नाबार्ड का दूसरा अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण (NAFIS) 2021-22** को जारी किया गया। यह सर्वेक्षण ग्रामीण भारत में आजीविका, वित्तीय समावेशन **(जैसे ऋण, बीमा, पेंशन आदि)** के स्तर को मापता है और **2016-17** में शुरू हुए पहले सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारियों के आधार पर ग्रामीण विकास के आर्थिक और वित्तीय संकेतकों में हुए बदलावों का आकलन करता है।

सर्वेक्षण की मुख्य बातें:

- ✓ **परिवारों की औसत मासिक आय** में **57.6%** की वृद्धि हुई।
- ✓ **परिवारों की उपभोग टोकरी** में खाद्यान्न का हिस्सा **51% से घटकर 47%** हो गया।
- ✓ **किसान क्रेडिट कार्ड** ग्रामीण कृषि क्षेत्र में वित्तीय समावेशन के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में प्रभावी पाया गया।
- ✓ **भूमि का औसत आकार** 1.08 हेक्टेयर से घटकर **0.74 हेक्टेयर** रह गया।
- ✓ **अच्छी वित्तीय साक्षरता** का अनुपात **33.9% से बढ़कर 51.3%** हो गया।
- ✓ **संस्थागत स्रोतों से ऋण लेने वाले कृषि परिवारों** का अनुपात **60.5% से बढ़कर 75.5%** हो गया।

ग्रामीण आय में वृद्धि के कारण:

1. **सरकारी सहायता:** महात्मा गांधी **राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा)** के तहत 5.6 करोड़ परिवारों को रोजगार मिला, जिससे उनकी आय और आजीविका में सुधार हुआ।
2. **महिला श्रम बल की भागीदारी:** ग्रामीण महिला श्रम बल की भागीदारी दर **2018-19 में 19.7% से बढ़कर 2020-21 में 27.7% हो गई (आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23)।**

नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक):

- ☑ **नाबार्ड (राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक),** भारत का प्रमुख विकास बैंक है, जिसकी स्थापना **1982** में संसद के एक अधिनियम के माध्यम से की गई थी। इसका उद्देश्य **संधारणीय और समानता आधारित कृषि और ग्रामीण विकास** को बढ़ावा देना है।
- ☑ अपने **चार दशकों से अधिक** के सफर में **नाबार्ड ने कृषि वित्त, आधारभूत संरचना विकास, बैंकिंग प्रौद्योगिकी, स्वयं सहायता समूहों (SHG) और संयुक्त देयता समूहों (JLG)** के माध्यम से ग्रामीण जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। इसके अतिरिक्त, यह सूक्ष्म वित्त और ग्रामीण उद्यमिता को भी प्रोत्साहित करता है।

NAFINDEX: NAFINDEX विभिन्न राज्यों में **वित्तीय समावेशन** का माप है, जो NAFIS द्वारा एकत्रित आंकड़ों के आधार पर तैयार किया गया है। इस सूचकांक में पारंपरिक और आधुनिक बैंकिंग उत्पादों, साथ ही भुगतान प्रणालियों को तीन आयामों में विभाजित किया गया है।

नाबार्ड का उद्भव और स्थापना:

- ✓ भारत सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में **संस्थागत ऋण** की महत्ता को देखते हुए **कृषि और ग्रामीण विकास** के लिए ऋण की समीक्षा हेतु एक समिति का गठन किया।
- ✓ यह समिति 30 मार्च 1979 को योजना आयोग के पूर्व सदस्य **श्री बी. शिवरामन** की अध्यक्षता में स्थापित की गई, जिसे **क्राफिकार्ड** (Committee to Review Arrangements For Institutional Credit for Agriculture and Rural Development) कहा गया।
- ✓ समिति की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर, **1981 के अधिनियम 61** के तहत नाबार्ड की स्थापना की गई। नाबार्ड की स्थापना का उद्देश्य **ग्रामीण विकास से जुड़े ऋण संबंधी मुद्दों** पर ध्यान केंद्रित करना था।

नाबार्ड का उद्देश्य:

- ☑ नाबार्ड का उद्देश्य **ग्रामीण समृद्धि** के लिए वित्तीय और गैर-वित्तीय सहयोग, नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी और संस्थागत विकास के माध्यम से **कृषि और ग्रामीण विकास** को बढ़ावा देना है।

नाबार्ड का विज़न:

- ☑ **"ग्रामीण समृद्धि के लिए राष्ट्रीय विकास बैंक"** इस विज़न के तहत नाबार्ड भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में **संधारणीय विकास** सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है।

नाबार्ड का मिशन:

- ☑ नाबार्ड का मिशन **सहभागिता, संधारणीयता, और समानता** पर आधारित वित्तीय और गैर-वित्तीय सहयोगों, नवोन्मेषों, प्रौद्योगिकी, और संस्थागत विकास के माध्यम से **कृषि और ग्रामीण विकास** को प्रोत्साहित करना है।

21वाँ आसियान-भारत शिखर सम्मेलन 2024 / 21st ASEAN-India Summit 2024

हाल ही में प्रधानमंत्री ने **लाओ पीडीआर** में आयोजित **21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन** में भाग लिया, जिसमें उन्होंने **आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी** की समीक्षा की और भविष्य के सहयोग की दिशा में रूपरेखा तैयार की। इस शिखर सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण पहल और घोषणाएँ की गईं, जो **भारत और आसियान** के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

मुख्य घोषणाएँ और पहल:

- ✓ **आसियान-भारत कार्य योजना (2026-2030):**
  - दोनों पक्षों ने **आसियान-भारत साझेदारी** की पूर्ण क्षमता का उपयोग करने के लिए एक नई कार्य योजना बनाने पर सहमति व्यक्त की।
  - इसके साथ ही, दो **संयुक्त वक्तव्य** अपनाए गए:
    - **आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने** पर वक्तव्य।
    - **डिजिटल परिवर्तन** को बढ़ावा देने के लिए साझेदारी पर वक्तव्य।
- ✓ **10 सूत्री योजना:**
  - प्रधानमंत्री ने **कनेक्टिविटी** और **लचीलापन बढ़ाने** की थीम के तहत **10 सूत्री योजना** की घोषणा की, जिसका उद्देश्य आसियान और भारत के बीच सहयोग को और गहरा करना है।
  - वर्ष 2025 को **आसियान-भारत पर्यटन वर्ष** के रूप में मनाने की घोषणा की गई, जो दोनों क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक और पर्यटन संबंधों को बढ़ावा देगा।
  - **आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते (AITIGA)** की समीक्षा 2025 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे व्यापार और आर्थिक संबंध और मजबूत होंगे।
- ✓ **डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (DPI):**
  - **DPI विकास** में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने पर सहमति व्यक्त की गई, साथ ही स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में चुनौतियों का समाधान करने के लिए संयुक्त पहलों को लागू करने पर जोर दिया गया।
  - **सीमा-पार भुगतान प्रणालियों** के सहयोग के लिए **वित्तीय प्रौद्योगिकी** के क्षेत्र में नवीन डिजिटल समाधानों को बढ़ावा देने की बात भी की गई।
- ✓ **साइबर सुरक्षा: साइबर सुरक्षा सहयोग** को बढ़ाने के लिए **आसियान-भारत ट्रैक 1 साइबर नीति वार्ता** का स्वागत किया गया, जो डिजिटल अर्थव्यवस्था को और अधिक सुरक्षित बनाएगा।

भारत के लिए आसियान का महत्व:

- ☑ **आर्थिक और व्यापारिक संबंध:** भारत के वैश्विक व्यापार में **आसियान का योगदान 11%** है।
- ☑ **भारत-प्रशांत रणनीति: आसियान** भारत की **"एक्ट ईस्ट" नीति** और **"भारत-प्रशांत" रणनीति** का एक महत्वपूर्ण घटक है।
- ☑ **उत्तर-पूर्वी भारत के साथ कनेक्टिविटी: कलादान मल्टी-मॉडल परिवहन परियोजना, भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग,** जो भारत और आसियान के बीच भौगोलिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में सहायक हैं।

आसियान के बारे में:

आसियान (ASEAN), जिसका पूरा नाम **Association of Southeast Asian Nations** है, दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का एक क्षेत्रीय संगठन है। इसका गठन **8 अगस्त 1967** को हुआ था। इसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय **शांति और स्थिरता** को बढ़ावा देना और सदस्य देशों के बीच **आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक सहयोग** को बढ़ाना है।

मुख्य जानकारी:

- ✓ **स्थापना:** 8 अगस्त 1967 (बैंकॉक, थाईलैंड)
- ✓ **मुख्यालय:** जकार्ता, इंडोनेशिया
- ✓ **आदर्श वाक्य:** *वन विजन, वन आइडेंटिटी, वन कम्युनिटी* (एक दृष्टि, एक पहचान, एक समुदाय)
- ✓ **आसियान दिवस:** 8 अगस्त

सदस्य देश: इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमार कंबोडिया

आसियान के उद्देश्य:

- ☑ **आर्थिक विकास:** दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, जिससे क्षेत्र का समग्र विकास हो।
- ☑ **सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति:** सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में आपसी सहयोग को बढ़ावा देना, जिससे सदस्य देशों के बीच एकता और भाईचारा बढ़े।
- ☑ **क्षेत्रीय शांति और स्थिरता:** न्याय और कानून का सम्मान सुनिश्चित करते हुए क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना।
- ☑ **व्यापार और उद्योगों का विस्तार:** कृषि, उद्योग, व्यापार, परिवहन और संचार के क्षेत्रों में आपसी सहयोग को मजबूत करना।
- ☑ **शिक्षा और अध्ययन:** दक्षिण-पूर्व एशियाई अध्ययन को बढ़ावा देना और क्षेत्र के लोगों के जीवन स्तर को सुधारना।

भारत के वस्त्र क्षेत्र में वृद्धि / Growth in India's Textile Sector

अगस्त 2024 के व्यापार संबंधी आंकड़ों के अनुसार, भारत का वस्त्र क्षेत्र एक महत्वपूर्ण विस्तार की ओर अग्रसर है। **रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी)** में वर्ष-दर-वर्ष **11 प्रतिशत** की वृद्धि ने इस उज्ज्वल भविष्य का संकेत दिया है। भारत की कपड़ा उद्योग में अंतर्निहित शक्तियों जैसे मजबूत **कच्चे माल, संपूर्ण मूल्य श्रृंखला क्षमता,** और तेजी से बढ़ते **घरेलू बाजार** के साथ, देश में वस्त्र क्षेत्र के **2030 तक 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर** तक पहुंचने की उम्मीद है।

भारत का वस्त्र क्षेत्र: प्रमुख तथ्य

- ✓ **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** में योगदान: **2.3%**
- ✓ **औद्योगिक उत्पादन** में हिस्सेदारी: **13%**
- ✓ **निर्यात** में योगदान: **12%**
- ✓ **वैश्विक व्यापार** में हिस्सेदारी: **4%**
- ✓ **दुनिया में स्थिति:** भारत **तीसरा सबसे बड़ा कपड़ा और परिधान निर्यातक** है।
- ✓ **रोजगार:** कपड़ा उद्योग में **45 मिलियन लोगों** को **प्रत्यक्ष और 100 मिलियन लोगों** को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलता है। (स्रोत: वस्त्र मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2022-23)

सरकारी योजनाएँ और नीतिगत पहलें:

सरकार ने वस्त्र क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं और नीतिगत पहलों का रोडमैप तैयार किया है, जिससे इस क्षेत्र की वृद्धि और निवेश को प्रोत्साहित किया जा सके। इनमें से प्रमुख योजनाएँ निम्नलिखित हैं:

1. **पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) पार्क:**
   - सरकार ने देशभर में **7 पीएम मित्र पार्कों** को मंजूरी दी है, जिनमें से एक महाराष्ट्र के **अमरावती** में स्थापित हो रहा है।
   - प्रत्येक पार्क के माध्यम से **10,000 करोड़ रुपये** का निवेश और **1 लाख प्रत्यक्ष व 2 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार** सृजित होने की उम्मीद है।
   - यह पार्क **विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा** और **प्लग एंड प्ले सुविधाएं** प्रदान करेगा, जिससे भारत वस्त्र निर्माण और निर्यात के लिए एक **वैश्विक केंद्र** बनेगा।
2. **उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना:**
   - पीएलआई योजना के तहत **28,000 करोड़ रुपये** से अधिक का निवेश और **2.5 लाख रोजगार** सृजन की योजना है।
   - इस योजना का उद्देश्य **एमएमएफ परिधान,** कपड़े और **तकनीकी वस्त्रों** के उत्पादन को बढ़ावा देना है, जिससे वस्त्र उद्योग को **आकार और पैमाना** हासिल करने में मदद मिलेगी।
3. **राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन:**
   - यह विशेष मिशन **विशेष फाइबर, जियोटेक्सटाइल, प्रोटेक्टिव टेक्सटाइल, मेडिकल टेक्सटाइल, डिफेंस टेक्सटाइल** और **पर्यावरण अनुकूल वस्त्रों** जैसे उभरते क्षेत्रों को कवर करता है।
   - मिशन का उद्देश्य रणनीतिक क्षेत्रों में **तकनीकी वस्त्रों** के उपयोग को बढ़ावा देना और स्टार्टअप एवं अनुसंधान परियोजनाओं को समर्थन देना है।

राज्य-स्तरीय नीतिगत पहलें:

- ✓ केन्द्रीय स्तर पर सहायक नीतिगत ढांचे के साथ, कई राज्य सरकारें भी अपने स्तर पर **वस्त्र उद्योग** को बढ़ावा देने वाली नीतियां लागू कर रही हैं। इन नीतियों का उद्देश्य वस्त्र उद्योग को **नवाचार** और **निवेश** के लिए और अधिक आकर्षक बनाना है, जिससे इस क्षेत्र में स्थिरता और रोजगार के अवसर बढ़ सकें।

वस्त्र क्षेत्र से जुड़ी चुनौतियाँ:

- ☑ **प्रतिस्पर्धा: चीन और वियतनाम** जैसे देशों से कम लागत वाली प्रतिस्पर्धा के कारण भारतीय कपड़ा उद्योग को दबाव का सामना करना पड़ता है।
- ☑ **कुशल श्रमिकों की कमी:** विशेषकर **डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन** के क्षेत्रों में कुशल श्रमिकों की कमी उद्योग के विकास में बाधा बनती है।
- ☑ छोटे और मध्यम आकार के कपड़ा उद्यमों को अक्सर **निवेश के लिए सस्ती पूंजी** तक पहुंचने में कठिनाई होती है।
- ☑ **अपर्याप्त बुनियादी ढांचा: रसद, बिजली आपूर्ति और परिवहन नेटवर्क** की कमी उद्योग की दक्षता को प्रभावित करती है, जिससे उत्पादन लागत बढ़ जाती है।

शेल गैस / Shale gas

हाल ही में **झारखंड** के **रामगढ़ जिले** में **दक्षिण कर्णपुरा कोलफील्ड** के पूर्वी क्षेत्र में **कार्बनिक अवशेषों और भू-रासायनिक आकलन** के माध्यम से **हाइड्रोकार्बन उत्पादन** की महत्वपूर्ण संभावनाओं का संकेत मिला है। विशेषकर, पूर्वी सिरका कोयला क्षेत्र ने उत्तर में **गिद्दी कोयला** क्षेत्र की तुलना में **उच्च हाइड्रोकार्बन उत्पादन क्षमता** प्रदर्शित की है।

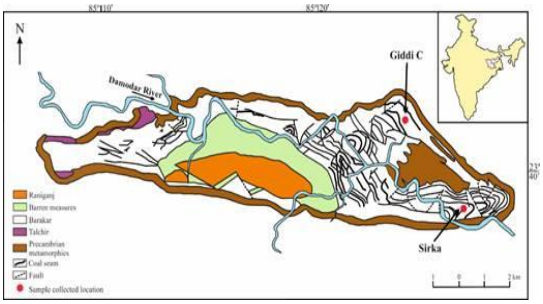

शेल गैस: एक संक्षिप्त परिचय

परिभाषा: शेल गैस प्राकृतिक गैस का एक रूप है, जिसमें ज्यादातर मीथेन होता है। यह गैस भूमिगत शेल चट्टान में पाई जाती है।

निकासी प्रक्रिया: शेल गैस को निकालने के लिए **हाइड्रोलिक फ्रैक्चरिंग** या **फ्रैकिंग** नामक प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है। इस प्रक्रिया में:

- शेल संरचना को तोड़ने के लिए उसमें **उच्च दबाव** वाले **पानी, रेत, और रसायनों** को इंजेक्ट किया जाता है।
- यह प्रक्रिया शेल गैस को मुक्त करने में सहायक होती है, जिससे इसे सतह पर लाना संभव होता है।

गोंद का उपयोग: शेल गैस के निष्कर्षण में **ग्वार के बीज** से बने गोंद का उपयोग किया जाता है। यह गोंद उच्च दबाव में स्थिरता और प्रभावशीलता बनाए रखने में मदद करती है।

शेल की संरचना:

- शेल एक **महीन दाने वाली अवसादी चट्टान** है, जो समय के साथ **मिट्टी, गाद, कीचड़, और कार्बनिक पदार्थों** के संघनन के परिणामस्वरूप बनती है।
- ये शेल्स प्राचीन **समुद्रों, नदी डेल्टाओं, झीलों, और लैगूनों** में जमा होते थे और पृथ्वी की सतह और भूमिगत गहराई में पाए जाते हैं।

महत्व:

- शेल गैस ऊर्जा उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत है, जो पारंपरिक **जीवाश्म ईंधनों** के विकल्प के रूप में उभरी है।
- इसकी उपलब्धता ने कई देशों को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने में मदद की है, लेकिन इसके पर्यावरणीय प्रभावों पर भी चर्चा हो रही है।

दक्षिण कर्णपुरा कोलफील्ड:

- ☑ **कोयला ब्लॉकों की संख्या:** 28 प्रमुख कोयला ब्लॉक।
- ☑ **उपयोग योग्य कोयले का भंडार:** इस क्षेत्र में पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।
- ☑ **ऊर्जा की मांग:** बढ़ती **ऊर्जा मांग और हाइड्रोकार्बन अन्वेषण** में रुचि के चलते अब कोल बेड मीथेन और शेल गैस जैसे अपरंपरागत संसाधनों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

अनुसंधान के निष्कर्ष: **जर्नल ऑफ एशियन अर्थ साइंसेज-एक्स में** प्रकाशित इस शोध से भविष्य के अन्वेषण प्रयासों के लिए आवश्यक जानकारी मिलती है, जो ऊर्जा संसाधन विकास और राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा में योगदान कर सकती है। हालांकि, आर्थिक अन्वेषण की पुष्टि के लिए और अधिक विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है।

हाइड्रोकार्बन उत्पादन की संभावनाएँ:

- ✓ **कार्बनिक पदार्थ की सांद्रता:** स्रोत चट्टान में **हाइड्रोकार्बन उत्पादन** की संभावनाएँ कार्बनिक पदार्थ की सांद्रता पर निर्भर करती हैं, जो विशेष पर्यावरणीय परिस्थितियों से प्रभावित होती हैं।
- ✓ **विश्लेषण के लिए अध्ययन:** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत बीरबल साहनी **पुराविज्ञान संस्थान (बीएसआईपी) के वैज्ञानिकों ने पराग, बीजाणुओं, और सूक्ष्म अवशेषों** का विश्लेषण किया। इसमें रॉक-इवल पायरोलिसिस नामक प्रयोगशाला प्रक्रिया का उपयोग किया गया।

नमूने और विश्लेषण:

- ✓ **नमूनों का संग्रहण:** झारखंड के हजारीबाग जिले के अरगडा क्षेत्र से **सिरका और गिद्दी-सी कोलियरी** की खदानों से नमूने एकत्र किए गए।
- ✓ **मापदंड:** इन नमूनों में **पैलिनोफेसीज, मुक्त हाइड्रोकार्बन (एस1), भारी हाइड्रोकार्बन (एस2), पायरोलाइज़ेबल कार्बन (पीसी), और अवशिष्ट हाइड्रोकार्बन (आरसी)** का विश्लेषण किया गया।

पर्मियन (बराकर) निक्षेप: ये तलछट दक्षिण **कर्णपुरा कोलफील्ड** के पूर्वी क्षेत्र में **उच्च हाइड्रोकार्बन संसाधन क्षमता** के लिए अनुकूल परिस्थितियों का संकेत देती हैं।

एमक्यू-9बी ड्रोन और परमाणु हमलावर पनडुब्बियों का समझौता
MQ-9B drones and nuclear attack submarines deal

हाल ही में भारत सरकार की **सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति** ने **अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी ड्रोन** की खरीद और **दो स्वदेशी परमाणु ऊर्जा चालित हमलावर पनडुब्बियों (एसएसएन)** के निर्माण के समझौते को मंजूरी दी है। यह निर्णय भारत की **सैन्य शक्ति** और **रक्षा तैयारियों** को और सशक्त करेगा, विशेष रूप से भारत के संवेदनशील क्षेत्रों और समुद्री सुरक्षा के लिए।

एमक्यू-9बी ड्रोन:

विवरण:

- **एमक्यू-9बी** ड्रोन उच्च ऊंचाई पर उड़ान भरने वाले दीर्घकालिक **मानवरहित हवाई वाहन (UAV)** हैं।
- इन्हें विशेष रूप से **निगरानी, टोही मिशन**, और **सटीक हमले** के लिए डिज़ाइन किया गया है।

विशेषताएँ:

- **उपग्रह-नियंत्रित** ड्रोन हैं जो क्षितिज से परे **40 घंटे** तक उड़ान भर सकते हैं।
- यह **जमीन, समुद्र और हवा** में स्थित लक्ष्यों को साधने में सक्षम हैं।

संस्करण: इसके दो प्रमुख संस्करण हैं:

1. **स्काईगार्जियन** - सामान्य निगरानी और हमले के लिए।
2. **सीगार्जियन** - समुद्री निगरानी और संचालन के लिए।

समझौते में शामिल ड्रोन: भारत **16 स्काईगार्जियन** और **15 सीगार्जियन** ड्रोन खरीदेगा, जिसमें से प्रत्येक का उपयोग **सेना, वायु सेना, और नौसेना** में होगा।

समझौते का महत्व:

- ☑ **चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा** और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए यह ड्रोन महत्वपूर्ण होंगे।
- ☑ यह सौदा भारत की **हिंद-प्रशांत क्षेत्र** में **सैन्य स्थिति** को मजबूत करेगा और **उन्नत प्रौद्योगिकियों** के साथ भारत की परिचालन तत्परता को और बेहतर बनाएगा।
- ☑ इससे भारत-अमेरिका के बीच **रक्षा साझेदारी** और भी गहरी होगी।

परमाणु ऊर्जा चालित हमलावर पनडुब्बियाँ (एसएसएन):

विवरण: ये पनडुब्बियाँ **पनडुब्बी रोधी युद्ध, सतह रोधी युद्ध,** और **खुफिया जानकारी जुटाने** के लिए डिज़ाइन की गई हैं।

विशेषताएँ:

- ✓ यह पनडुब्बियाँ **टारपीडो** और कभी-कभी **क्रूज मिसाइलों** से लैस होती हैं, लेकिन **बैलिस्टिक मिसाइलों** से नहीं।
- ✓ ये **तेज़, शांत**, और **पता लगाने में कठिन** होती हैं, और **लम्बे समय तक पानी के नीचे** रह सकती हैं।

लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट 2024
Living Planet Report 2024

विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की **द्विवार्षिक लिविंग प्लैनेट** रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले **50 वर्षों** में वैश्विक वन्यजीव आबादी में **73 प्रतिशत** की गिरावट आई है, जिसका कारण आवास की हानि, क्षरण, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और आक्रामक प्रजातियां हैं।

- ✓ **लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट विश्व वन्यजीव कोष (WWF)** द्वारा द्विवार्षिक रूप से प्रकाशित एक प्रमुख अध्ययन है, जो वैश्विक जैव विविधता और ग्रह के स्वास्थ्य की प्रवृत्तियों का विश्लेषण करता है। इस रिपोर्ट का **2024** का संस्करण, **15वां** संस्करण है।

रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु:

1. **वन्यजीव आबादी में गिरावट:**
   - ✓ निगरानी की गई वन्यजीव आबादी का औसत आकार **1970** के बाद से **73 प्रतिशत** कम हो गया है।
   - ✓ विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्रों में गिरावट की विशेषताएँ:
     - **मीठे जल पारिस्थितिकी तंत्र: 85% गिरावट।**
     - **स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र: 69% गिरावट।**
     - **समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र: 56% गिरावट।**
2. **क्षेत्रीय गिरावट:**
   - **लैटिन अमेरिका और कैरिबियन: 95% की गिरावट।**
   - **अफ्रीका: 76% की गिरावट।**
   - **एशिया-प्रशांत क्षेत्र: 60% की गिरावट।**
   - **मध्य एशिया: 35% की गिरावट।**
   - **उत्तरी अमेरिका: 39% की गिरावट।**
3. **वन्यजीवों के लिए प्रमुख खतरे:**
   - **आवास की हानि:** अस्थिर कृषि, विखंडन, लकड़ी काटना, खनन आदि।
   - **अत्यधिक शोषण।**
   - **जलवायु परिवर्तन।**
   - **प्रदूषण।**
   - **आक्रामक प्रजातियां।**
   - **बीमारियां।**

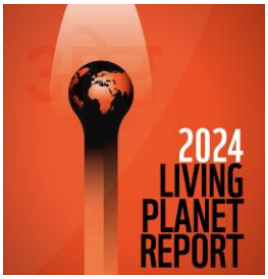

4. **पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव:**
   - विश्व की **75 प्रतिशत** से अधिक प्रवाल भित्तियों को प्रभावित करने वाली प्रवाल भित्तियों का व्यापक विरंजन।
   - **अमेज़न वर्षावन और उपध्रुवीय गाइरे** का पतन।
   - **ग्रीनलैंड और पश्चिमी अंटार्कटिका** की बर्फ की चादरों का पिघलना गंभीर बिंदु के निकट पहुंच रहा है।
5. **सतत विकास लक्ष्यों की स्थिति:**
   - **संयुक्त राष्ट्र** द्वारा **2030** के लिए निर्धारित सतत विकास लक्ष्यों में से आधे से अधिक अपने लक्ष्य प्राप्त करने की संभावना नहीं रखते हैं।

चंद्र ध्रुवीय अन्वेषण मिशन (LUPEX)
Lunar Polar Exploration Mission (LUPEX)

हाल ही में, **राष्ट्रीय अंतरिक्ष आयोग** ने भारत के पांचवें चंद्र मिशन, **चंद्र ध्रुवीय अन्वेषण मिशन (LUPEX)** को मंजूरी दी है। यह मिशन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और **जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA)** के बीच एक सहयोगी प्रयास है।

मिशन के उद्देश्य:

- ✓ **चंद्रमा का अन्वेषण:** मिशन का **मुख्य उद्देश्य चंद्रमा** के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र का अध्ययन करना है।
- ✓ **पानी और अन्य तत्वों की खोज:** यह मिशन पानी और अन्य तत्वों की उपस्थिति की जांच करेगा, जो संभवत: **चंद्रमा की सतह पर बर्फ** के रूप में मौजूद हो सकते हैं।
- ✓ **नवीन तकनीकों का प्रदर्शन:** मिशन में सतह अन्वेषण की नवीनतम तकनीकों को प्रदर्शित करने का भी लक्ष्य है। इसमें विशेष ध्यान वाहन परिवहन और चांद पर रात में जीवित रहने पर दिया गया है।

मिशन की संरचना:

- **लैंडर और रोवर:** LUPEX मिशन में एक **लैंडर और एक रोवर** दोनों शामिल हैं।
- **JAXA और ISRO का योगदान:** JAXA रोवर के **विकास और संचालन** के लिए जिम्मेदार है, जबकि **ISRO लैंडर** के विकास और संचालन का कार्य संभालेगा।

रोवर की विशेषताएँ:

- **स्वतंत्र अन्वेषण:** रोवर खुद चलकर उन क्षेत्रों की खोज करेगा, जहाँ पानी मौजूद होने की संभावना है।
- **ड्रिलिंग:** यह मिट्टी के नमूने लेने के लिए **ड्रिलिंग तकनीक** का उपयोग करेगा।
- **डेटा संग्रहण:** रोवर पर लगे अवलोकन उपकरणों की सहायता से एकत्रित नमूनों का **विस्तृत विश्लेषण** करके डेटा प्राप्त किया जाएगा।

तकनीकी विशेषताएँ:

- **विशेष उपकरण:** रोवर में **रेगोलिथ (चंद्र रेत)** की जल सामग्री को **मापने, ड्रिलिंग और नमूना** लेने के लिए उपकरण लगे होंगे।
- **अन्य तकनीकें:** ड्राइविंग सिस्टम और बैटरी के लिए अन्य **विश्व-प्रथम और विश्व-अग्रणी प्रौद्योगिकियां** भी विकसित की जाएंगी।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: रोवर न केवल **ISRO और JAXA** के उपकरण ले जाएगा, बल्कि **अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी NASA** और **यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ESA** के उपकरण भी शामिल होंगे।

प्रक्षेपण की तिथि: इस मिशन को **2025** में प्रक्षिप्त करने की योजना है।

कैंसर उपचार में टीडीपी1 एंजाइम की भूमिका
Role of TDP1 enzyme in cancer

हाल ही में वैज्ञानिकों ने **टीडीपी1 नामक** एक **डीएनए एंजाइम** को सक्रिय करके कैंसर के उपचार के लिए एक नया लक्ष्य खोजा है। यह शोध विशेष रूप से उन रोगियों के लिए महत्वपूर्ण है जो मौजूदा कैंसर उपचारों के प्रति प्रतिरोधी हैं।

प्रमुख तथ्य:

- ✓ **कैंसर उपचार में चुनौतियाँ:** मौजूदा एंटीकैंसर दवाएं जैसे **कैम्पटोथेसिन, टोपोटेकन, और इरिनोटेकेन डीएनए प्रतिकृति के लिए महत्वपूर्ण एंजाइम टोपोइज़ोमेरेज़ 1 (टॉप 1)** को लक्षित करती हैं। कैंसर कोशिकाएं अक्सर इन एकल-एजेंट उपचारों के प्रति प्रतिरोध विकसित कर लेती हैं, जिससे वैकल्पिक चिकित्सा विधियों की आवश्यकता होती है।
- ✓ **टीडीपी1 की खोज:** **भारतीय एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस (आईएसीएस)** के शोधकर्ताओं ने पता लगाया कि कैंसर कोशिकाएं टीडीपी1 को सक्रिय करके मौजूदा दवाओं के प्रभाव का मुकाबला कर सकती हैं।

- ✓ **प्रोटीनों की भूमिका:**
  - **सीडीके1 (Cyclin-Dependent Kinase 1):** माइटोटिक चरण में प्रमुख **किनेज** के रूप में कार्य करता है और टीडीपी1 को फॉ**स्फोराइलेट** करता है।
  - **टीडीपी1:** यह डीएनए मरम्मत प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है, जो **दवा-प्रेरित ट्रैप्ड टॉप 1** की मरम्मत करता है।

शोध के निष्कर्ष:

- ☑ कैंसर कोशिकाएं टीडीपी1 को सक्रिय करके टॉप 1 अवरोधकों के कारण होने वाली **डीएनए क्षति की मरम्मत** करती हैं।
- ☑ सीडीके1 द्वारा टीडीपी1 का फॉस्फोराइलेशन कैंसर कोशिकाओं को टॉप 1-लक्षित **कीमोथेरेपी से बचने** में मदद करता है।

संभावित उपचार दृष्टिकोण:

- ☑ **संयोजन चिकित्सा: सीडीके1 अवरोधकों (जैसे एवोटासिक्लिब, अल्वोसिडिब)** के साथ टॉप 1 अवरोधकों का उपयोग कैंसर कोशिका खत्म करने में मदद कर सकता है।
- ☑ **डीएनए मरम्मत तंत्र को बाधित करना:** यह संयोजन **कैंसर कोशिकाओं** के लिए जीवित रहना अधिक कठिन बनाता है।

भविष्य की दिशा:

- ☑ शोधकर्ताओं ने संकेत दिया है कि **सीडीके1 और टीडीपी1** को लक्षित करके **कैंसर कोशिकाओं** को **अधिक प्रभावी ढंग** से समाप्त किया जा सकता है।

साहित्य में नोबेल पुरस्कार 2024
Nobel Prize in Literature 2024

2024 का नोबेल पुरस्कार साहित्य में दक्षिण कोरियाई लेखिका **हान कांग** को दिया गया है। यह पुरस्कार उन्हें उनके **"गहन काव्य गद्य"** के लिए प्रदान किया गया है, जो ऐतिहासिक आघातों का सामना करता है और मानव जीवन की नाजुकता को उजागर करता है। इसकी घोषणा स्वीडन के स्टॉकहोम में **स्वीडिश अकादमी** द्वारा **10 अक्टूबर 2024** को की गई थी, और पुरस्कार वितरण समारोह **10 दिसंबर 2024** को होगा।

प्रमुख विशेषताएँ:

- ✓ **प्रथम महिला और दक्षिण कोरियाई विजेता:** हान कांग साहित्य में नोबेल पुरस्कार जीतने वाली **पहली दक्षिण कोरियाई और पहली एशियाई महिला हैं।**

हान कांग का साहित्यिक सफर:

- **शिक्षा और पृष्ठभूमि:** हान कांग सियोल में एक साहित्यिक पृष्ठभूमि के साथ बड़ी हुईं। उनके पिता, **हान सुंग-वोन,** एक प्रतिष्ठित उपन्यासकार थे। लेखन के प्रति उनके जुनून के साथ-साथ, वे कला और संगीत में भी रुचि रखती हैं, जो उनके साहित्यिक कार्यों में झलकता है।
- **कैरियर की शुरुआत:** उन्होंने **1993** में साहित्यिक पत्रिका **'लिटरेचर एंड सोसाइटी'** में अपनी कविताओं के प्रकाशन के साथ अपने करियर की शुरुआत की। उनका पहला गद्य पदार्पण **1995** में लघु कहानी संग्रह **'लव ऑफ येओसु'** के साथ हुआ।
- **प्रमुख सफलता:** उनकी प्रमुख सफलता **2007** के उपन्यास **'द वेजिटेरियन'** से मिली, जिसमें हिंसक परिणामों को दर्शाया गया है जब उसका नायक मांस खाने से मना कर देता है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर को साहित्य का नोबेल पुरस्कार:

- ✓ **रवीन्द्रनाथ टैगोर** साहित्य में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले एशियाई और भारतीय थे। उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार **1913** में उनकी प्रसिद्ध काव्य संग्रह **'गीतांजलि'** के लिए दिया गया था।

नोबेल पुरस्कार:

नोबेल पुरस्कार एक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार है जो विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए दिया जाता है। इसे **1895** में स्वीडिश उद्योगपति **अल्फ्रेड नोबेल** द्वारा स्थापित किया गया था। पहले नोबेल पुरस्कारों का वितरण **1901** में किया गया और तब से ये पुरस्कार हर वर्ष दिए जाते हैं।

नोबेल पुरस्कार छह मुख्य श्रेणियों में प्रदान किया जाता है:

- **शांति, भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य**
- **आर्थिक विज्ञान**: यह पुरस्कार **1968** में स्थापित किया गया था और यह **अल्फ्रेड नोबेल** की स्मृति में दिया जाता है।

शांति के लिए नोबेल पुरस्कार 2024
Nobel Prize for Peace 2024

जापानी संगठन **निहोन हिदांक्यो** को वर्ष **2024** के लिए **शांति के नोबेल पुरस्कार** से नवाजा गया है। यह पुरस्कार संगठन को दुनिया में **परमाणु हथियारों के खिलाफ** चलाए गए उनके प्रयासों के लिए दिया गया है।

संगठन की पृष्ठभूमि:

- ✓ **हिबाकुशा:** निहोन हिदांक्यो में उन लोगों को शामिल किया गया है, जो **द्वितीय विश्व युद्ध** में **हिरोशिमा** और **नागासाकी** पर हुए परमाणु हमले के जीवित बचे हैं। इन्हें जापानी में **हिबाकुशा** कहा जाता है। ये लोग अपनी पीड़ा और दर्दनाक यादों को साझा करते हैं, ताकि मानवता को परमाणु हथियारों के खतरों के बारे में जागरूक किया जा सके।
- ✓ **संस्थान की स्थापना:** यह संगठन **1956** में स्थापित किया गया था, जब **दूसरी विश्व कॉन्फ्रेंस परमाणु और हाइड्रोजन बमों** के खिलाफ आयोजित की गई थी। अमेरिका ने **1954** में हाइड्रोजन बम का परीक्षण किया था, जिसके विरोध में यह कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई थी।

नोबेल कमेटी का विचार:

नोबेल कमेटी ने कहा कि एक दिन ये **हिबाकुशा** हमारे बीच नहीं रहेंगे, लेकिन जापान की नई पीढ़ी उनकी यादों और अनुभवों को साझा करती रहेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि लोग जानें कि परमाणु हथियार कितने खतरनाक हो सकते हैं।

परमाणु हमले का इतिहास:

- **हिरोशिमा पर हमला:** **6 अगस्त 1945** को अमेरिका ने हिरोशिमा पर **एलोना गे** विमान से परमाणु बम गिराया। बम गिरने के **43 सेकंड** बाद विस्फोट हुआ, जिससे **3000 से 4000 डिग्री सेल्सियस** का तापमान उत्पन्न हुआ। इस हमले में तुरंत **70,000** लोगों की मौत हो गई।
- **नागासाकी पर हमला:** तीन दिन बाद, **9 अगस्त 1945** को अमेरिका ने नागासाकी पर भी एक परमाणु बम गिराया, जिसे **फैट मैन** कहा जाता है। इस हमले में **40,000** से ज्यादा लोग मारे गए।

संगठन की गतिविधियाँ:

- ☑ **निहोन हिदांक्यो** ने **हिबाकुशा** के समूहों को विभिन्न देशों में भेजा, ताकि वे **परमाणु हथियारों के खतरों के बारे में लोगों को जागरूक** कर सकें।
- ☑ संगठन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दुनिया में कहीं भी हिबाकुशा न बनाए जाएं और एक **परमाणु हथियार-मुक्त** दुनिया की दिशा में काम किया जाए।

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

2024

GA FOUNDATION

RECORDED BATCH

Subject

- HISTORY ,POLITY
- GEOGRAPHY
- ECONOMICS

Price

1499/-

Validity
1 Year

By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

RRB NTPC

TEST SERIES

- 100+ Mock Test
- 78 Sectional Test
- 40+ years PYPs
- 60+ Current affairs

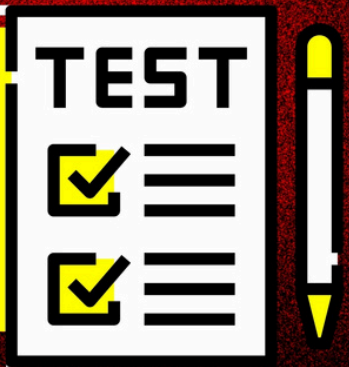

Only 99 Per Year

Buy Now